भारत सरकार

पत्तन, पोत परिवहन और जलमार्ग मंत्रालय

लोक सभा

अतारांकित प्रश्न सं. *1941 जिसका उत्तर

शुक्रवार, 06 दिसंबर, 2024/15 अग्रहायण, 1946 (शक) को दिया जाना है

ओडिशा में अंतर्देशीय जलमार्गों को बढ़ावा देना

+1941. श्रीमती संगीता कुमारी सिंह देव:

क्या **पत्तन, पोत परिवहन और जलमार्ग** मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि:

(क) सरकार द्वारा कार्बन उत्सर्जन में कमी करने हेतु माल की आवाजाही के लिए ओडिशा राज्य में अंतर्देशीय जलमार्गों के उपयोग को बढ़ावा देने के लिए क्या कदम उठाए गए हैं/उठाए जाने का प्रस्ताव है;

(ख) ओडिशा में अंतर्देशीय जल परिवहन के उपयोग को बढ़ाने से संबंधित चुनौतियां और परिणाम क्या हैं; और

(ग) क्या ओडिशा में अंतर्देशीय जल परिवहन के लिए बुनियादी ढांचे और कनेक्टिविटी को बढ़ाने के लिए कोई विशिष्ट परियोजनाएं शुरू की गई हैं, और यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है?

उत्तर

पत्तन, पोत परिवहन और जलमार्ग मंत्री

(श्री सर्बानंद सोणोवाल)

(क): पारादीप/धामरा पत्तन के माध्यम से तालचेर क्षेत्र के भीतरी इलाकों और कलिंगनगर के औद्योगिक क्षेत्र से कोयले की निकासी के लिए इनलैंड वाटरवेज कन्सोर्टियम ऑफ ओडिशा लिमिटेड नामक एक विशेष प्रयोजन वाहन (एसपीवी) तैयार किया गया है, जिसमें भारतीय अंतर्देशीय जलमार्ग प्राधिकरण (आईडब्ल्यूएआई), ओडिशा सरकार और पारादीप पत्तन प्राधिकरण शामिल हैं। पर्यावरण अनुकूल अंतर्देशीय जल परिवहन पहले से ही अवरुद्ध रेलवे/सड़क नेटवर्क की भीड़-भाड़ को कम करने में मदद करता है।

(ख): आने वाली मुख्य चुनौतियां भूमि अधिग्रहण, पूरे वर्ष नौचालन सुनिश्चित करने के लिए कम ऊर्ध्वाधर और क्षैतिज निकासी वाले पुलों को तोड़ना/पुनर्निर्माण करना तथा राष्ट्रीय जलमार्ग-5 (ब्राह्मणी नदी) के ऊपरी भागों से जल का अपर्याप्त बहाव हैं।

(ग): इस परियोजना में जलमार्गों की नौगम्यता का आकलन करने के लिए राष्ट्रीय जलमार्ग-5 (रा.ज.-5 ब्राह्मणी नदी), रा.ज.-14 (बैतरणी नदी) और रा.ज.-64 (महानदी नदी) पर नियमित नदी सर्वेक्षण और जलयानों के सुरक्षित आवागमन के लिए इफ्को पारादीप संयंत्र से पारादीप पत्तन के पास समुद्र के मुहाने तक रा.ज.-64 में नौचालन सहायता उपकरण लगाना शामिल है। इसके अलावा, रा.ज.-64 पर इफ्को पारादीप संयंत्र से जलमार्ग द्वारा जिप्सम की आवाजाही के लिए इफ्को द्वारा एक जेट्टी निर्मित की गई है।

*****